

जनधन योजना ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की ताकत दी : पीएम मोदी

2026 के विधानसभा चुनावों के लिए असम भाजपा की बैठक, शाह ने परखी तैयारियां



नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम जनधन योजना के 11 साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस योजना ने लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब

बढ़ता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना से यही हासिल हुआ। इसने सम्मान बढ़ाया और लोगों को अपना भाग्य खुद लिखने की शक्ति दी। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में माइगोव का पोस्ट साझा किया जिसमें बताया गया कि कैसे प्रधानमंत्री जनधन योजना ने पूरे भारत में जीवन बदल दिया। इसमें कहा गया, गणित के सूत्र नहीं, बल्कि भारत के विकास के सूत्र। भारत की वित्तीय क्रांति एक विचार से प्रेरित है, नवाचार के माध्यम से समावेशन। अंतिम छोर तक बैंकिंग से लेकर महिला-नेतृत्व वाले सशक्तिकरण तक, पारदर्शी डीबीटी हस्तांतरण से लेकर शासन में विश्वास

तक, प्रधानमंत्री जनधन योजना ने भारत में बैंकिंग, बचत और विकास के तरीके को बदल दिया है। माइगोव के एक अन्य पोस्ट में कहा गया, 11 साल पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत से वादा किया था कि कोई भी गरीब परिवार बैंकिंग की दुनिया से बाहर नहीं रहेगा। जन-धन कभी भी केवल खातों के बारे में नहीं था, यह एक मां के लिए सम्मान के साथ बचत करने, एक किसान को बिचौलियों के बिना सहायता प्राप्त करने के बारे में था। यह एक ग्रामीण को राष्ट्र के विकास का हिस्सा महसूस करने के लिए दरवाजे खोलता है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि

पिछले 11 वर्षों में 56 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं। इन खातों में कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ है। 38 करोड़ से अधिक मुफ्त रुपये कार्ड जारी किए गए हैं, जिससे डिजिटल लेनदेन आसान हुआ है। सीतारमण ने कहा, योजना के तहत 67: खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं और 56: खाते महिलाओं के हैं। प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने वित्तीय समावेशन को वास्तविकता में बदल दिया, जिससे हर घर में आशा और हर जीवन में आत्मविश्वास आया। इस योजना को देश की वित्तीय यात्रा में हमेशा एक बड़े बदलाव लाने वाली योजना के रूप में याद किया जाएगा।



गुवाहाटी, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार शाम यहां असम भाजपा की कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें 2026 के विधानसभा चुनावों की चुनावी रणनीति तैयार की गई और तैयारियों की समीक्षा की गई। शाह भारी बारिश के बीच राज्य के दो दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी पहुंचे। बारिश के कारण उन्हें बशिष्ठ इलाके में स्थित पार्टी

मुख्यालय पहुंचने में देरी हुई। बाद में सोशल मीडिया पर पोस्ट में उन्होंने लिखा, गुवाहाटी स्थित राज्य भाजपा मुख्यालय में असम भाजपा की कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमंत बिस्व सरमा सरकार असम के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को एक समृद्ध असम के निर्माण के

लिए खुद को समर्पित करना चाहिए। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि शाह ने हमें चुनावों के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित किया। बैठक में नवगठित कोर कमेटी के सभी 18 सदस्य शामिल हुए। इनमें सैकिया, सीएम सरमा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पबित्रा मार्गरेटा, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, राज्य मंत्री अशोक सिंघल, रनोज पेगु और रंजीत कुमार दास शामिल थे। समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य और राज्य पार्टी प्रभारी हरीश द्विवेदी भी बैठक में शामिल हुए। सरमा ने बैठक शुरू होने से पहले सदस्यों की एक तस्वीर पोस्ट की थी।

संक्षिप्त खबरें

शोरूम कर्मचारी को चलती गाड़ी से फेंका, टेस्ट ड्राइव के बहाने लाखों की फॉर्च्यूनर ले उड़े बदमाश

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बदमाशों ने दिनदहाड़े एक दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। दुबग्गा इलाके में एसयूवी खरीदने के बहाने आए दो युवकों ने टेस्ट ड्राइव के दौरान कार एजेंसी के कर्मचारी को पीटकर चलती गाड़ी से फेंक दिया और लाखों की फॉर्च्यूनर लेकर फरार हो गए। पीड़ित व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने देर रात गाड़ी बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार तो कर लिया, लेकिन इस मामले में पुलिस पर गंभीर सवाल भी उठ रहे हैं। आरोप है कि मारपीट और जबरन गाड़ी छीनने की इस घटना को लूट में दर्ज करने के बजाय दुबग्गा पुलिस ने इसे साधारण चोरी का मामला बना दिया है। ठाकुरगंज के बालागंज निवासी मोहम्मद अलीम अंधे की चौकी के पास र्शपोवर कार सेल्व नाम से पुरानी कारों की खरीद-बिक्री का शोख चलता है। अलीम के अनुसार, बुधवार दोपहर दो युवक ग्राहक बनकर उनकी दुकान पर आए और वहां खड़ी एक फॉर्च्यूनर खरीदने की इच्छा जताई। गाड़ी पसंद आने की बात कहकर दोनों ने टेस्ट ड्राइव की मांग की। इस पर अलीम ने अपने कर्मचारी यासीन को उनके साथ भेज दिया। आरोप है कि हरदोई रोड पर कसमंडी के पास पहुंचते ही युवकों का असली रूप सामने आ गया। उन्होंने यासीन के साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे चलती गाड़ी से सड़क पर फेंककर फॉर्च्यूनर लेकर भाग निकले। घायल यासीन ने किसी तरह फोन पर अपने मालिक को घटना की सूचना दी, जिसके बाद अलीम ने तत्काल दुबग्गा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस्पेक्टर दुबग्गा, अभिनव वर्मा के अनुसार, शिकायत मिलते ही पुलिस ने कारवाई शुरू कर दी। सीसीटीवी फुटेज की मदद से फॉर्च्यूनर को किसान पथ स्थित बाजनगर अंडरपास के पास से बरामद कर लिया गया है। इस मामले में काकोरी के कलियाखंडा निवासी एक आरोपी अमन को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि उसके दूसरे साथी की तलाश जारी है। हालांकि, कर्मचारी से मारपीट कर गाड़ी छीनने के बावजूद पुलिस द्वारा लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज न करके चोरी में मामला दर्ज करने को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

मोइत्रा ने कहा अकेले भारत की सीमाओं की रक्षा नहीं की जा सकती



नई दिल्ली, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद मोइत्रा ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करके एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की घुसपैठ के बारे में पत्रकारों से बात

रहे हैं, हमारी महिलाओं का अपमान कर रहे हैं, हमारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं, तो आपका फर्ज है कि अमित शाह का सिर काटकर मेज पर रख दें। उन्होंने घुसपैठ को लेकर केंद्र से जवाबदेही की मांग करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री ने खुद स्वीकार किया है कि घुसपैठिए घुस रहे हैं और महिलाओं की गरिमा का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, प्यह किसकी गलती है? क्या यह हमारी गलती है, या आपकी गलती है? उनके बयानों ने अवैध आगजन, खासकर पश्चिम बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्यों में, को लेकर बढ़ती चिंताओं के लिए सीधे तौर पर केंद्रीय नेतृत्व को जिम्मेदार ठहराया।

प्रियंका गांधी ने गडकरी से थामारासेरी दर्रे पर यातायात बहाल करने का अनुरोध किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से अनुरोध किया है कि वह थामारासेरी दर्रे पर यातायात को शीघ्र बहाल कराने की व्यवस्था करें, जो भारी भूस्खलन के कारण बाधित हो गया है। पार्टी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि प्रियंका गांधी ने एक पत्र में गडकरी से यह भी आग्रह किया है कि वायनाड में विशेषज्ञों की एक समिति तुरंत भेजी जाए, ताकि थामारासेरी दर्रे पर बार-बार होने वाले भूस्खलनों को रोकने के लिए आवश्यक उपायों का अध्ययन किया जा सके। यह दर्रा पहाड़ी जिले के लोगों का एकमात्र सहारा है। कांग्रेस सांसद ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि दर्रे पर यातायात अवरुद्ध होने से वायनाड के लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि यह मार्ग कोझिकोड जिले से उन्हें जोड़ने वाला एकमात्र रास्ता है, जहां वे अपने स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए जाते हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि 26 अगस्त को भी दर्रे पर भूस्खलन हुआ था, जिससे मार्ग पर यातायात बाधित हुआ। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस क्षेत्र में और भूस्खलन होने की आशंका है, इसलिए एक विशेषज्ञ टीम को तुरंत वायनाड भेजा जाना चाहिए, ताकि राजमार्ग के उस हिस्से का निरीक्षण किया जा सके, जोखिम का मूल्यांकन किया जा सके और यात्रियों की सुख्खा और कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जा सके। सूत्रों के अनुसार, सांसद ने मंत्री से यह भी अनुरोध किया कि ऐसी परिस्थितियों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग के निर्माण पर शीघ्र विचार किया जाए।

गांधी परिवार से कोई जेल नहीं गया, हमें फर्जी केस में भेजा गया : केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया है, जबकि उनकी पार्टी के नेताओं को झूठे मामलों में जेल भेजा गया है। केजरीवाल ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में पार्टी विधायकों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा



कहते हैं (असदुद्दीन) ओवैसी ने, लेकिन अब ज्यादातर लोग कहते हैं कि कांग्रेस ने समझौता किया है... हम राजनीति में देश प्रेम के लिए आए हैं, समझौता करने नहीं। हम देश के लिए लड़ते रहेंगे। आपको पार्टी, सत्ता, अपने या अपने परिवार के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए। अगर मुझे समझौता करना पड़ा तो मैं अपने देश के लिए समझौता करूंगा। आम आदमी पार्टी, जिसने इस साल की शुरुआत में दिल्ली में सत्ता खो दी थी, हाल ही में विपक्षी दलों के भारत ब्लॉक से बाहर निकल गई, यह दावा करते हुए कि यह व्यवस्था केवल लोकसभा चुनाव तक ही चलने के लिए थी।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण विवाद पर स्टालिन का कड़ा रुख

पटना, (एजेंसी)। चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का कड़ा विरोध करते हुए, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि उनके राज्य में इस तरह की प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए। स्टालिन ने एक कार्यक्रम में कहा कि बिहार में एसआईआर जैसी स्थिति तमिलनाडु में नहीं होनी चाहिए। लोगों को बिहार की स्थिति के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कल, मैं अगले सप्ताह के लिए जर्मनी और इंग्लैंड जा रहा हूँ। तमिलनाडु ने हमारी द्रविड़ मॉडल सरकार की नीतियों के माध्यम से 10 लाख करोड़

रुपये का निवेश आकर्षित किया है। विपक्षी इंडिया ब्लॉक दलों ने बिहार में एसआईआर का विरोध करते हुए तर्क दिया है कि इस प्रक्रिया से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार



से वंचित हो जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार में श्वोट अहिंसा यात्रा शुरू की है। उन्होंने एसआईआर का विरोध किया है और चुनाव आयोग की मिलीभगत से

भाजपा पर श्वोट चोरी का आरोप लगाया है। इस हफ्ते की शुरुआत में, स्टालिन इस यात्रा में राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव और भाकपा-माले नेता दीपंकर भट्टाचार्य के साथ बिहार के मुजफ्फरपुर पहुंचे थे। स्टालिन ने भाजपा पर भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) को कठपुतली बनाने का आरोप लगाया है। मुजफ्फरपुर में भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था, प्छगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराए गए, तो एनडीए हार जाएगा। उन्होंने (केंद्र ने) चुनाव आयोग को कठपुतली बना दिया है जिसे रिमोट कंट्रोल से चलाया जा रहा है। बिहार के लोगों का नाम मतदाता सूची से हटाना सही नहीं है।

राहुल गांधी की चांदी की चम्मच पर भारी पड़ रही चाय की चम्मच

लखनऊ, (संवाददाता)। बिहार में कुछ अज्ञात लोगों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी किए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा उनकी चांदी की चम्मच पर (मोदी की) चाय की चम्मच भारी पड़ रही है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी छोटी लाइन को मिटाने के बजाय उससे बड़ी लाइन खींचने में यकीन रखते हैं। यही बात सोनिया गांधी, प्रियंका वाद्रा और राहुल गांधी को अखरती है।" उन्होंने कहा "इसलिए नफरत, घृणा व अंधकार से लबालब यह तिकड़ी मोदी जी को कभी मौत का सौदागर, नीच या वोट

चोर कहकर उनकी खिल्ली उड़ाती है। दरअसल, ऐसा कहकर वह जनता का मजाक उड़ती है।" पिछड़े वर्ग से आने वाले राज्य के प्रमुख नेता एवं भारतीय जनता



पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मौर्य ने कहा, "गांधी परिवार को कतई इल्म नहीं कि देश के सबसे बड़े पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाले मोदी जी का पसीना देखकर से लबालब यह तिकड़ी मोदी जी को कभी मौत का सौदागर, नीच या वोट

कहा, "वह राहुल जी की तरह चांदी का चम्मच लेकर तो पैदा नहीं हुए थे लेकिन उनकी चांदी की चम्मच पर उनकी चाय की चम्मच भारी पड़ रही है। इसलिए इस तिकड़ी ने अपने साथ-साथ अब अपनी निहायत ही हल्की मंडलियों को भी मोदी जी को गाली देने का ठेका दे रखा है।" भाजपा ने बिहार में कांग्रेस नेता की 'वोटर अहिंसा यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए कथित तौर पर अभद्र के इस्तेमाल पर बृहस्पतिवार को राहुल गांधी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य के लोग विपक्षी दल को उसकी 'अपशब्दों की राजनीति' के लिए कराार जवाब देंगे। यह बयान सोशल मीडिया पर एक वीडियो के सामने आने बाद आया है।

संपादकीय

कोचिंग की मजबूरी

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे-धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता-पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम— 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्‍यमिक छात्रों के लिये राशि बढकर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकर्ममुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाध्‍यान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंध I या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्‍यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा।

..... विविध

बड़े काम का है ये पीले फूल वाला पौधा, फैंटी लिवर के मरीज आज से पीना शुरू कर दें इसकी चाय



आयुर्वेद में ऐसे कई पौधे पाए गए हैं जो खतरनाक से खतरनाक बीमारियों के दुश्मन हैं। आज हम सिंहपर्णी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे भी कहा जाता है। यह पौधे Iा जंगली घास की तरह दिखता है, लेकिन औषधीय गुणों का खजाना है। आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों का रामबाण इलाज माना गया है, खासकर लिवर और किडनी की समस्याओं में। चलिए जानते हैं इसके फायदे।

सिंहपर्णी पौधे के फायदे
लिवर को करता है मजबूत— सिंहपर्णी का जूस या चाय लिवर को डिटॉक्स करता है। यह खराब और सड़े हुए लिवर सेल्स को रिपेयर करने में मदद करता है। यह फैंटी लिवर और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों में बेहद लाभकारी हैं।

किडनी हेल्थ में फायदेमंद— यह पौधा नैचुरल डाइयूरेटिक (मूत्रकृिक) है। यह शरीर से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी बाहर निकालने में मदद करता है। किडनी स्टोन और यूरिन इंफेक्शन से छुटकारा पाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं। पाचन शक्ति बढ़ाता है— यह पेट साफ रखने में मदद करता है।

हेराफेरी की डिग्री हासिल करने में माहिर वैश्विक नेता

दीपक

जहां जर्मनी जैसे देशों में सार्वजनिक जवाबदेही पेशेवर अपमान और इस्तीफा का कारण बन सकती है, वहीं कमजोर कधनून—व्यवस्था वाले देशों में नेता इन आरोपों को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं। कुछ देशों को ‘शोध प्रबंध कारखानों’ से भी जूझना पड़ता है, जहां राजनेताओं



को गुप्त रूप से लिखे गए अकादमिक शोध—पत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 1997 में सेंट पीटर्सबर्ग माइनिंग इंस्टिट्यूट से प्राप्त अपनी डिग्री को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था, जब एक अमेरिकी शोधकर्ता ने दावा किया था कि उनके शोध प्रबंध के 16 पृष्ठ पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा प्रकाशित एक अध्‍ययन से शब्दशः चुराए गए थे। पुतिन ने इन आरोपों का कभी जवाब नहीं दिया। भारत की तरह रूस में भी ‘घोस्ट राइटर्स’ ठेके पर मिल जाते हैं, जो शोध प्रबंध लिखने में माहिर होते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, रूस में हर साल लगभग पांच लाख नकली डिग्री, डिप्लोमा बेचे जाते हैं। जर्मन रक्षा मंत्री थियोडोर जू गुटेनबर्ग अपने समय के पॉलिटिकल स्टार थे। वर्ष 2011 में उन्होंने तब इस्तीफा दिया था, जब एक विश्वविद्यालय समिति ने यह सुनिश्चित किया कि उन्होंने 2006 में अपने कानूनी शोध प्रबंध की ‘जानबूझकर’ हेराफेरी की थी। गुटेनबर्ग, ‘गूलबर्ग’ के नाम से

..... विविध

पैदा होते ही जा रही लाखों बच्चों की जान, डिलीवरी के समय एक गलती और हो जाता जानलेवा इंफेक्शन

नवजात शिशुओं में निमोनिया एक गंभीर और जीवन—घातक बीमारी मानी जाती है। यह समस्या जन्म के समय या जन्म के कुछ दिनों बाद ही हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॲ) के अनुसार, हर साल लाखों बच्चों की मौत निमोनिया से होती है, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या नवजात और 5 साल से कम उम्र के बच्चों की होती है। भारत सहित विकासशील देशों में इसकी दर और भी ज्यादा है। आइए जानते हैं जन्म के समय बच्चों को निमोनिया होने के कारण, लक्षण और इससे बचाव के तरीके।

जन्म के समय क्यों होता है निमोनिया?
नवजात शिशुओं में निमोनिया की सबसे बड़ी वजह उनका कमजोर इम्यून सिस्टम और अधूरे विकसित फेफड़े होते हैं। जन्म के शुरुआती दिनों में अगर बच्चा किसी

ग्लॉसी लिपस्टिक को बनाएं मैट वो भी बिना खर्च किए

अगर आपके पास ग्लॉसी लिपस्टिक भरी पड़ी हैं लेकिन आप मैट लुक चाहती हैं, तो अब न तो पैसे खर्च करने की जरूरत है और न ही महंगी मैट लिपस्टिक खरीदने की। आज हम आपको एक सिंपल, स्मार्ट और बजट—फ्रेंडली ब्यूटी हैक बता रहे हैं जिससे आप सिर्फ 3 स्टेप्स में अपनी ग्लॉसी लिपस्टिक को मैट लुक में बदल सकती हैं। यह ट्रिक न सिर्फ आसान है, बल्कि बेहद असरदार भी है और हर मेकअप लवर के लिए परफेक्ट है। तो चलिए जानते हैं पूरा तरीका आसान भाषा में

स्टेप 1— सबसे पहले लगाएं अपनी फेवरेट ग्लॉसी लिपस्टिक अपनी पसंदीदा ग्लॉसी लिपस्टिक को हल्के हाथों से होंठों पर लगाएं। चांहें तो पहले लिपलाइनर

किसी पूर्व प्रधानमंत्री के फर्जी डिग्री के विरुद्ध सुनवाई हुई। रोमानिया के पूर्व प्रधानमंत्री विक्टर पोंटा पर 2004 के शोध प्रबंध के आधे से ज्यादा हिस्से नकल या डॉक्युमेंटेशन चोरी के जरिये जमा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, शुरू में उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने नकल किये जाने की बात स्वीकार की और अपनी डिग्री त्याग दी। 2015 में विक्टर पोंटा ने अन्य घोटाले को सिद्ध होने पर प्रध्‍तानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 2012 में, हंगरी के राष्ट्रपति पाल स्मिट ने अपने 1992 के शोध प्रबंध के अधिकांश भाग की साहित्यिक चोरी के कारण अपनी डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, इस्तीफा दे दिया था। रोमानियाई मंत्री थे, प्लोरिन रोमन। 2021 में एक अखबार द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में झूठ बोलने की खबर के बाद इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2018 में, स्पेन की पॉपुलर पार्टी के दो हाई—प्रोफाइल राजनेताओं क्रिस्टीना सिफुंटेस और पाब्लो कैसादो पर किंग युआन कार्लोस विश्वविद्यालय से बिना क्लास अटेंड किये फर्जीवाड़े से मास्टर डिग्री प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। बाद में सिफुंटेस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की डॉक्टरेट और प्रोफेसरशिप पर तब सवाल उठाए गए, जब 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए उनके आवेदन में व्याकरण संबंधी त्रुटियां पाई गईं। यूक्रेन के ही पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सैन्युक पर 2017 में अपने शोध प्रबंध में चोरी का माल चेंपेने का आरोप लगाया गया था। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में फर्जी प्रमाणपत्र एक बड़ी समस्या है। इराक के पूर्वगृह मंत्री, कासिम अल—अरज़ी, जो अल बद्र संगठन से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, के पास डेनमार्क I, मानवाधिकार हनन की सुनवाई करता है। वहां संभवतः पहली बार

खुलासा हुआ। इराक के ही पूर्व युवा एवं खेल मंत्री अहमद अल—उबैदी ने भी उसी गैर—मान्यता प्राप्त डेनिश संस्थान से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। दोनों की इस काण्ड में अच्छी—खासी फजीहत हुई। आठ साल पहले कुवैत में बड़े स्केल पर डिग्री घोटाले का खुलासा हुआ था। 2018 में जब इसकी जांच हुई, बड़ी संख्या में हाई—प्रोफाइल लोग फर्जी डिग्रियों के इस्तेमाल में लिप्त पाए गए। इस घोटाले में एक मिस्त्रवासी शामिल था, जिसने ‘हाई—प्रोफाइल ग्राहकों’ को सैकड़ों प्रमाणपत्र बेचे। उच्च शिक्षा मंत्रालय के दो कर्मचारियों को जालसाजी में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2019 में, लेबनान के चार विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां मेडिकल प्रमाणपत्रों का पता लगाया गया। देश के उच्च शिक्षा महानिदेशक इस घोटाले में शामिल थे। सऊदी अरब में, अधिकारियों ने हजारों फर्जी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रमाणपत्रों का पता लगाया है। वर्ष 2010 के दौरान, पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को लंदन के एक बिजनेस स्कूल से प्राप्त अपनी स्नातक की डिग्री के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा था। हालां कि, पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने राष्ट्रपति पद के लिए डिग्री की आवश्यकता को रद्द कर दिया, जिससे जरदारी को फर्जी डिग्री घोटाले से बचने का मौका मिल गया। श्रीलंका में संसद अध्‍यक्ष अशोक रानवाला ने 23 दिसंबर, 2024 को अपनी पीएचडी फर्जी होने के आरोपों की वजह से इस्तीफा दे दिया। वो केवल 22 दिन स्पीकर की कुर्सी पर बैठ गए। उनके अलावा शहरी विकास एवं आवास मंत्री अन्गुरा करुणातिलके और न्याय मंत्री हर्षना नानायकारा पर भी डॉक्टरेट की डिग्री होने का झूठा दावा करने के लिए विषक्ष हमलावर हो गया।

देश के सबसे स्वच्छ शहर में अस्वच्छ हरकतें

मोहन
आठ बार स्वच्छता का खिताब जीतने वाले इंदौर की स्वच्छता पर पिछले दिनों रहस्यमय कांड के दाग लगे, जिसके पीछे दो महिलाओं की शातिर दिमाग की हरकतें थीं। उन्होंने घटनाओं को जिस तरह साजिश में गूँथा, वह आश्चर्य करने वाली बात है। किसी अपराध फिल्म की जैसी स्क्रिप्ट रचने वाली महिलाओं का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। इंदौर में करीब 3 महीने में दो ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने पूरे देश में इंदौर की एक अलग छवि निर्मित की। यह छवि है आपराधिक कृत्य वाली और संयोग कि कृत्य करने वाली दोनों महिलाएं हैं। पहले सोनम रघुवंशी का नाम आया जिसकी 11 मई को राजा रघुवंशी से शादी हुई थी। उसने प्रेमी के साथ शादी के पहले ही साजिश रचकर पति राजा रघुवंशी को हनीमून ट्रिप पर शिलांग में सुपारी देकर मरवा दिया। इसके बाद अर्चना तिवारी ने परिवार के शादी के दबाव के आगे झुकने के बजाय खुद को परिदृश्य से गायब करने की चाल चली। राखी पर अपने घर कटनी जाते समय वह रास्ते में ट्रेन से बेहद शातिराना तरीके से गायब हो गई। रेलवे गायब होने की साजिश में एक लड़का सारांश सामने आया। रेलवे पुलिस परेशान रही। उसे नर्मदा और जंगल में तलाश किया गया। लेकिन, बाद में पुलिस ने लिंक जोड़कर 12 दिन बाद उसे भारत—नेपाल की सीमा पर पकड़ लिया। इंदौर में रहकर जज की तैयारी कर रही 29 साल की कटनी की अर्चना तिवारी की गुमशुदगी और बरामद होने की गुत्थी हैरत पैदा करने वाली है। रेलवे पुलिस की जांच ने साफ किया कि यह कोई अपहरण या हादसा नहीं, बल्कि खुद अर्चना की रची गई साजिश वाली कहानी थी। समाज में महिलाओं की एक संवेदनशील छवि है। इसलिए सहज भरोसा नहीं होता कि कोई मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की खुद को शादी से बचाने के लिए इतनी गहरी साजिश रच सकती है। अर्चना घर वालों के इस फैसले से नाराज थी कि उसकी शादी एक पटवारी से की जा रही है, जबकि वो सिविल जज बनने की तैयारी कर रही थी। सवाल उठता है कि उसने विरोध I न करके अपने आपको परिदृश्य से गायब करने का उपक्रम क्यों किया। यदि पूरे घटनाक्रम पर नजर दौड़ाई जाए, तो एक बात साफ नजर आती है कि जिस तरह फुलप्रूफ षड्यंत्र रचा गया, वो किसी सामान्य लड़की के बस की बात शायद नहीं हो सकती। सात अगस्त की रात अर्चना इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से रक्षाबंधन के लिये कटनी के लिए रवाना हुई थी। लेकिन, वहां नहीं पहुंची। देर रात उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिवार ने भोपाल के जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अर्चना ने गुम होने की योजना पहले से बना रखी थी। वकील होने के नाते उसे कानून और जांच प्रक्रिया की बारीकियां पता थीं। उसने सोचा कि अगर मामला जीआरपी में दर्ज होगा, तो उस पर गहन जांच नहीं होगी। इसी सोच के तहत इटारसी के पास जंगल में अर्चना ने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। उसने साथी सारांश के साथ ट्रेन से उतरने के बाद ऐसा रास्ता चुना, जहां टोल टैक्स और सीसीटीवी कैमरे न हों। इस सफर में सारांश दूरी बनाकर उसके साथ रहा। पूरे घटनाक्रम में अर्चना के दो दोस्तों सारांश और ड्राइवर तेजेंद्र की अहम भूमिका रही। सारांश से अर्चना की पहचान इंदौर में पढ़ाई के दौरान हुई थी। तेजेंद्र ने बीच रास्ते में ट्रेन में अर्चना को साड़ी और कपड़े दिए। तेजेंद्र और सारांश की मदद से अर्चना इटारसी से निकलकर शुजालपुर पहुंची। उन्होंने लंबा रूट लिया ताकि किसी टोल प्लाजा या कैमरे में न आएं। वह इंदौर, बुरहानपुर, हैदराबाद व जोधपुर होते हुए दिल्ली पहुंची।

..... विविध

पैदा होते ही जा रही लाखों बच्चों की जान, डिलीवरी के समय एक गलती और हो जाता जानलेवा इंफेक्शन

संक्रमण के संपर्क में आ जाए, तो यह सीधे फेफड़ों तक पहुंचकर सांस लेने में दिक्कत और गंभीर निमोनिया का कारण बन सकता है।

संक्रमण का खतरा प्रसव के दौरान

अक्सर नवजात शिशुओं में निमोनिया का खतरा प्रसव के दौरान मां से संक्रमण के कारण भी बढ़ जाता है। अगर गर्भवती महिला को डिलीवरी से पहले किसी तरह का संक्रमण हो, जैसे कि योनि संक्रमण, मूत्र संक्रमण या गर्भाशय से जुड़ी कोई समस्या, तो जन्म के समय यह संक्रमण बच्चे तक पहुंच सकता है। कई बार यह बैक्टीरिया या वायरस सीधे शिशु के फेफड़ों में पहुंच जाते हैं और जन्म के तुरंत बाद बच्चे को सांस लेने में कठिनाई या निमोनिया जैसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान मां की नियमित जांच और समय पर इलाज बेहद जरूरी माना जाता है।

अस्वच्छ डिलीवरी
यदि बच्चे का जन्म अस्वच्छ वातावरण में हो, जैसे अस्पताल या घर में साफ—सफाई का सही ध्यान न रखा गया हो, तो नवजात शिशु आसानी से संक्रमण का शिकार हो सकता है। जन्म के समय इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण या हाथों की गंदगी भी बैक्टीरिया और वायरस फैलाने का कारण बन सकती है। यह धीरे—धीरे प्रेस करें। इससे लिपस्टिक का कलर बना रहेगा लेकिन ओवर शाइन हट जाएगी।
स्टेप 3— हल्का पाउडर लगाकर फिनिशिंग दें

अब लास्ट स्टेप में अपने पास मौजूद ट्रांसलूसेंट पाउडर या कॉम्पैक्ट पाउडर लें। एक छोटा ब्रश या फिंगर से हल्के हाथों से पाउडर को होंठों पर लगाएं।



में सांस लेने की क्षमता सामान्य बच्चों की तुलना में कम होती है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर रहती है। यही कारण है कि प्रीमेच्योर शिशु में सांस की तकलीफ और निमोनिया का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इन बच्चों को जन्म के बाद विशेष देखभाल और डॉक्टर की लगातार निगरानी की जरूरत होती है।

कमजोर इम्यूनिटी
नवजात शिशु का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) शिशु आसानी से संक्रमण से कमजोर होता है। अगर बच्चे को जन्म के तुरंत बाद मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम) नहीं मिलता, तो उसकी रोग प्रतिरोधक शक्ति और भी कम हो जाती है। ऐसे में बच्चा बाहरी वातावरण से आने वाले बैक्टीरिया और वायरस का सामना नहीं कर पाता और निमोनिया जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाता है।

नवजात में निमोनिया के लक्षण

नवजात शिशुओं में निमोनिया की पहचान करना कई बार मुश्किल हो जाता है, क्योंकि वे

देश के सबसे स्वच्छ शहर में अस्वच्छ हरकतें

मोहन
आठ बार स्वच्छता का खिताब जीतने वाले इंदौर की स्वच्छता पर पिछले दिनों रहस्यमय कांड के दाग लगे, जिसके पीछे दो महिलाओं की शातिर दिमाग की हरकतें थीं। उन्होंने घटनाओं को जिस तरह साजिश में गूँथा, वह आश्चर्य करने वाली बात है। किसी अपराध फिल्म की जैसी स्क्रिप्ट रचने वाली महिलाओं का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। इंदौर में करीब 3 महीने में दो ऐसी घटनाएं हुईं, जिन्होंने पूरे देश में इंदौर की एक अलग छवि निर्मित की। यह छवि है आपराधिक कृत्य वाली और संयोग कि कृत्य करने वाली दोनों महिलाएं हैं। पहले सोनम रघुवंशी का नाम आया जिसकी 11 मई को राजा रघुवंशी से शादी हुई थी। उसने प्रेमी के साथ शादी के पहले ही साजिश रचकर पति राजा रघुवंशी को हनीमून ट्रिप पर शिलांग में सुपारी देकर मरवा दिया। इसके बाद अर्चना तिवारी ने परिवार के शादी के दबाव के आगे झुकने के बजाय खुद को परिदृश्य से गायब करने की चाल चली। राखी पर अपने घर कटनी जाते समय वह रास्ते में ट्रेन से बेहद शातिराना तरीके से गायब हो गई। रेलवे गायब होने की साजिश में एक लड़का सारांश सामने आया। रेलवे पुलिस परेशान रही। उसे नर्मदा और जंगल में तलाश किया गया। लेकिन, बाद में पुलिस ने लिंक जोड़कर 12 दिन बाद उसे भारत—नेपाल की सीमा पर पकड़ लिया। इंदौर में रहकर जज की तैयारी कर रही 29 साल की कटनी की अर्चना तिवारी की गुमशुदगी और बरामद होने की गुत्थी हैरत पैदा करने वाली है। रेलवे पुलिस की जांच ने साफ किया कि यह कोई अपहरण या हादसा नहीं, बल्कि खुद अर्चना की रची गई साजिश वाली कहानी थी। समाज में महिलाओं की एक संवेदनशील छवि है। इसलिए सहज भरोसा नहीं होता कि कोई मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की खुद को शादी से बचाने के लिए इतनी गहरी साजिश रच सकती है। अर्चना घर वालों के इस फैसले से नाराज थी कि उसकी शादी एक पटवारी से की जा रही है, जबकि वो सिविल जज बनने की तैयारी कर रही थी। सवाल उठता है कि उसने विरोध I न करके अपने आपको परिदृश्य से गायब करने का उपक्रम क्यों किया। यदि पूरे घटनाक्रम पर नजर दौड़ाई जाए, तो एक बात साफ नजर आती है कि जिस तरह फुलप्रूफ षड्यंत्र रचा गया, वो किसी सामान्य लड़की के बस की बात शायद नहीं हो सकती। सात अगस्त की रात अर्चना इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से रक्षाबंधन के लिये कटनी के लिए रवाना हुई थी। लेकिन, वहां नहीं पहुंची। देर रात उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिवार ने भोपाल के जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अर्चना ने गुम होने की योजना पहले से बना रखी थी। वकील होने के नाते उसे कानून और जांच प्रक्रिया की बारीकियां पता थीं। उसने सोचा कि अगर मामला जीआरपी में दर्ज होगा, तो उस पर गहन जांच नहीं होगी। इसी सोच के तहत इटारसी के पास जंगल में अर्चना ने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। उसने साथी सारांश के साथ ट्रेन से उतरने के बाद ऐसा रास्ता चुना, जहां टोल टैक्स और सीसीटीवी कैमरे न हों। इस सफर में सारांश दूरी बनाकर उसके साथ रहा। पूरे घटनाक्रम में अर्चना के दो दोस्तों सारांश और ड्राइवर तेजेंद्र की अहम भूमिका रही। सारांश से अर्चना की पहचान इंदौर में पढ़ाई के दौरान हुई थी। तेजेंद्र ने बीच रास्ते में ट्रेन में अर्चना को साड़ी और कपड़े दिए। तेजेंद्र और सारांश की मदद से अर्चना इटारसी से निकलकर शुजालपुर पहुंची। उन्होंने लंबा रूट लिया ताकि किसी टोल प्लाजा या कैमरे में न आएं। वह इंदौर, बुरहानपुर, हैदराबाद व जोधपुर होते हुए दिल्ली पहुंची।

पर्यावरण संतुलन के साथ,हमें हर घर नल की तरह हर घर सड़क से जोड़ना - केशव प्रसाद मौर्य



लखनऊ सहानुभूति समाचार गिरीश कुशवाहा
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का उन्नयन राफ्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं।पीएमजीएसवाई में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका रही है।ग्रामीण मार्गों के निर्माण में एफडीआर तकनीक वरदान साबित हो रही हैं।पीएमजीएसवाई की सड़कों में एफडीआर तकनीक अपनाने वाला उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है।विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सबसे बड़ी जरूरत रोड कनेक्टिविटी है।एफडीआर तकनीक से बनी सड़कें ग्रामीणों का हाईवे सिद्ध हो रही हैं।समग्र विकास के लिए रोड कनेक्टिविटी सर्वोच्च आवश्यकता है।गांव के विकास में पीएमजीएसवाई की सड़कों का व्यापक प्रभाव रहा है।एफडीआर तकनीक में कम लागत में उच्च गुणवत्ता की ज्यादा टिकाऊ सड़कें बन रही हैं।गांवो में रोडनेट वर्क बढ़ने से किसानों को बहुत फायदा हुआ है, ग्रामीण उद्यम

कांग्रेस ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग

अयोध्या। उत्तर प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिलाओं पर बढ़ते अपराधों को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह और महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने प्रदेश की स्थिति पर गहरी चिंता जताई।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश अब अपराध प्रदेश बन चुका है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में अपराधिा्यों को सत्ता का संरक्षण मिल रहा है।एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि देश में महिलाओं पर होने वाले कुल अपराधों का 15: हिस्सा उत्तर प्रदेश में दर्ज होता है। नेताओं ने मुख्यमंत्री से नैतिक आधार पर इस्तीफे की मांग की और आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में दलितों और कमजोर वर्गों पर अत्याचार लगातार बढ़ रहे हैं।। प्रेस वार्ता में पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, रामदास वर्मा, छबिराज यादव, राजकुमार पांडेय, रामेंद्र त्रिपाठी, पंकज सिंह, मोहम्मद यासीन और धर्मेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

महापालिका कर्मचारी यूनियन ने 14 सूत्री मांग पत्र अपर नगर आयुक्त को सौपा

लखनऊ सहानुभूति समाचार
रीना जायसवाल
नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन की एक बैठक कर्मचारी समस्याओं के निराकरण हेतु अपर नगर आयुक्त श्रीमती नम्रता सिंह के साथ राजकुमार श्रीवास्तव हाल में आहुत की गई संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश उप्रेती व महामंत्री श्री राकेश लक्छा द्वारा 14 सूत्री मांग पत्र पर विस्तार से चर्चा की प्रमुख बिंदुओं पर अपर नगर अपर नगर आयुक्त द्वारा त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित को आदेशित किया जिन मुख्य मुद्दों पर सहमति बनी
कंयूटर ऑपरेटर का पारिश्रमिक पर भिन्नता समाप्त कर 18000 रुपए किया जाना
एनपीएस से आच्छादित कर्मचारियों की भविष्य निधि की समस्या दूर किया जाना
सफाई संवर्ग के कर्मचारियों को एसीपी का लाभ प्रदान किया जाना
समस्त बालदा को मुख्य कार्यालय में स्थानांतरित किया जाना
आदि समस्याओंपर सहमति बनी बैठक में यूनियन राकेश इत्यादि उपस्थित रहे

आधारित लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया व सराहना की। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने सन् 2000 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की थी, इस योजना में नए आयाम स्थापित किए गये हैं। गांवों की रोड कनेक्टिविटी बहुत तेजी के साथ बढ़ी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश व प्रदेश में रोड नेटवर्क, रेल मार्ग, हवाई यातायात व जल मार्ग के क्षेत्र में डबल इंजन सरकार में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। एफडीआर तकनीक के यूपी मॉडल को अन्य राज्यों ने भी अपनाया है। एफडीआर तकनीक से बनी सड़क अधिक टिकाऊ होती हैं और उनकी औसत आयु लगभग 15 वर्ष अनुमानित है। एफडीआर तकनीक से कार्बन उत्सर्जन कम हो रहा है और यह सतत विकास के लिए एक बड़ी उपलब्धि है उत्तर प्रदेश सड़क निर्माण की नई तकनीक व पर्यावरण के दृष्टिकोण से देश के लिए एक आदर्श साबित हो रहा है। सड़कों के साथ-साथ दिवसीय सेमिनार को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। इससे जरूरत रोड कनेक्टिविटी है।एफडीआर तकनीक से बनी सड़कें ग्रामीणों का हाईवे सिद्ध हो रही हैं।समग्र विकास के लिए रोड कनेक्टिविटी सर्वोच्च आवश्यकता है।गांव के विकास में पीएमजीएसवाई की सड़कों का व्यापक प्रभाव रहा है।एफडीआर तकनीक में कम लागत में उच्च गुणवत्ता की ज्यादा टिकाऊ सड़कें बन रही हैं।गांवो में रोडनेट वर्क बढ़ने से किसानों को बहुत फायदा हुआ है, ग्रामीण उद्यम

लखनऊ सहानुभूति समाचार गिरीश कुशवाहा
उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का उन्नयन राफ्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं।पीएमजीएसवाई में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका रही है।ग्रामीण मार्गों के निर्माण में एफडीआर तकनीक वरदान साबित हो रही हैं।पीएमजीएसवाई की सड़कों में एफडीआर तकनीक अपनाने वाला उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है।विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सबसे बड़ी जरूरत रोड कनेक्टिविटी है।एफडीआर तकनीक से बनी सड़कें ग्रामीणों का हाईवे सिद्ध हो रही हैं।समग्र विकास के लिए रोड कनेक्टिविटी सर्वोच्च आवश्यकता है।गांव के विकास में पीएमजीएसवाई की सड़कों का व्यापक प्रभाव रहा है।एफडीआर तकनीक में कम लागत में उच्च गुणवत्ता की ज्यादा टिकाऊ सड़कें बन रही हैं।गांवो में रोडनेट वर्क बढ़ने से किसानों को बहुत फायदा हुआ है, ग्रामीण उद्यम

कृषि विकसित भारत बनाने के लिए ×षि इंजीनियर्स अहम भूमिका निभाए-बृजेश पाठक

लखनऊ सहानुभूति समाचार
गिरीश कुशवाहा
37वाँ राष्ट्रीय अ्धिवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स एवं राष्ट्रीय सं गंगोष्ठी “कृषि इंजीनियरिंग में नवाचारपूर्ण दृष्टिकोण विकसित भारत की कृषि हेतु 2047 तक का रोडमैप”इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर, लखनऊ द्वारा 37वाँ राष्ट्रीय



अधिवेशन ऑफ एग्रीकल्चरल इंजीनियर्स का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। श्री पाठक ने आयोजन में पहुंचकर दीप दीप प्रज्वलित करने के बाद अपने संबोधेान में कहा कि कृषि सदैव भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। पहले किसानों की आय बहुत सीमित थी, परंतु समय के साथ उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह प्रगति कृषि इंजीनियरिंग, आधुनिक तकनीकों और सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम है, जिसके लिए कृषि इंजीनियर्स मुख्य भूमिका निभाएँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी. वी. बी. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पहले किसानों की आय बहुत सीमित थी, लेकिन कृषि इंजीनियरिंग, आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के कारण किसानों की मासिक आय में लगभग 59: की वृद्धि हुई है। पहले विविधीकृत कृषि आय, बेहतर फसल मूल्य और सहायक क्षेत्रों के योगदान से संभव हुआ है। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एस. डब्ल्यू उत्सवसें ओम पंथित रहे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार

राष्ट्रीय समूहगान के लिए भारत विकास परिषद द्वारा टीम वयनित

रायबरेली, सहानुभूति समाचार
आशीष शर्मा। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के लिए भारत विकास परिषद द्वारा टीम का चयन कर लिया गया। भारत विकास परिषद ने राष्ट्रीय समूहगान के लिए रायबरेली का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतियोगिता आयोजित करवाई जिसमे जिले के अनेकों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्राओं ने बाजी मारते हुए प्रांत के लिए जगह बनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ पंजाब नेशनल बैंक के चीफ मैनेजर संजय कुमार सिंह ने भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। परिषद के अ्धक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों का स्वागत किया। परिषद

करने यूपी आए।कई राज्य अब उत्तर प्रदेश का अनुसरण कर रहे हैं।लोक निर्माण विभाग ने भी ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की सफलता देखकर इसे अपनाया है।सभी ग्रामीण सड़कें 100: श्वत् तकनीक से बनाने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिये गये हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों के

पीरियाडिकल रिनूवल कार्यों में एफडीआर के अलावा वेस्ट प्लास्टिक का भी उपयोग किया जा रहा है और कम लागत में अच्छी व टिकाऊ सड़कें बन रही हैं। उन्होंने इस सेमिनार में देश के विभिन्न राज्यों से आए इंजीनियरों, अधिकारियों,स्टेक होल्डर्स, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार, मोर्थ के अधिकारियों व विभिन्न सलायर्स, कम्पनियों के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वह इस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़े, कि हमें भारत में ही निर्मित सामान का अधिकतम उपयोग करना है और वह इसमे अपना योगदान दें।उन्होंने कहा भारत हर क्षेत्र में तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सभी लोग मिलकर सच्चे मन से ठान लें,तो विकसित भारत का सन्ना 2037 में ही पूरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि कम लागत में अच्छी टिकाऊ व पर्यावरण के अनुकूल सड़कें बने, इस संबंध में सेमिनार मे गहन विचार विमर्श करें। सड़कों को विकसित भारत के संकल्प का आधार बनायें।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में यह सेमिनार निश्चित रूप से उपयोगी व निर्णायक सिद्ध होगी।

जिनमें प्रमुख रहे एस. डब्ल्यू अख्तर, कुलाधिपति, इंटरैल यूनिवर्सिटी, लखनऊय डॉ. एस. एन. झा, उप महानिदेशक (इंजीनियरिंग), आई.सी.ए. आर.यू डॉ. आई. एम. मिश्रा, कुलपति, वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी (महाराष्ट्र)य डॉ. एम. एल. गौर, कुलपति, डॉ. सी. वी. रमन यूनिवर्सिटी, वैशाली (बिहार)य डॉ. बंगाली बाबूच, पूर्व राष्ट्रीय निदेशक (आई.सी.ए.आर.यूएन. ए.आई.पी.)य डॉ. आर. सी. श्रीवास्तव, पूर्व कुलपति, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर (बिहार)य डॉ. एन. के. दास, भुवनेश्वरय डॉ. एम. मेनिचंद्रप्पा, बेंगलुरुय इंजी. जयप्रकाश, ए.डी.जी.बी. चेंयरमैन, पटनाय इंजी. वसंत पराडकर, पुणे तथा उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में अभियंता।

कार्यक्रम में यह भी कहा गया कि कृषि इंजीनियरिंग की आधुनिक तकनीकें विकसित भारत के सपने को साकार करने की सशक्त नींव हैं। इस अवसर पर प्रख्यात कृषि इंजीनियर्स जैसे इंजी. पी. आर. चौरसिया, पूर्व एच.ओ.डी. (लघु सिंचाई), उत्तर प्रदेश सरकारय डॉ. कंचन के. सिंह, पूर्व ए.डी.जी. (इंजीनियरिंग), आई.सी.ए.आर.यू डॉ. अम्बरीश के. तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, भारतीय मूवा एवं जल संरक्षण संस्थान, देहरादून तथा युवा अभियंता डॉ. डी. श्रीगिरि (अनंतपुर, आंध्र प्रदेश), डॉ. जाधव महेश लक्ष्मण है। (नापोली, महाराष्ट्र) एवं डॉ. सी. टी. रामचंद्र (रायचूर, कर्नाटक) को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कृषि इंजीनियरिंग विशेषज्ञों व शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्र भूमिका निभाएँ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजी. वी. बी. सिंह ने की। उन्होंने कहा कि पहले किसानों की आय बहुत सीमित थी, लेकिन कृषि इंजीनियरिंग, आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के कारण किसानों की मासिक आय में लगभग 59: की वृद्धि हुई है। पहले विविधीकृत कृषि आय, बेहतर फसल मूल्य और सहायक क्षेत्रों के योगदान से संभव हुआ है। विशिष्ट अतिथि के रूप में इंटरल यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति एस. डब्ल्यू उत्सवसें ओम पंथित रहे। उन्होंने बताया कि भारत सरकार

वोट चोरी जैसे गंभीर मामले में बुरी तरह फंसी भाजपा, लगा रही झूठे आरोप– पंकज तिवारी

रायबरेली, सहानुभूति समाचार
आशीष शर्मा स कांग्रेस जिला अध् यक्ष पंकज तिवारी के नेतृत्व में तिलक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया आयोजित पत्रकारा वार्ता में कांग्रेस जिला अध् यक्ष पंकज तिवारी ने उत्तर प्रदेश में, वर्तमान सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि प्रदेश की योगी सरकार में लगातार अपराधी घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार यह दावा करती रही है कि हमारी सरकार सभी का आभार व्यक्त किया।

आगरा के एडीशनल सिटी मजिस्ट्रेट राजेश जायसवाल की दुर्घटना में मौत ड्राइवर गंभीर घायल सैफई भर्ती

मैनपुरी सहानुभूति समाचार(मनोजकुमार वर्मा) करहल /मैनपुरी। आगरा के एडिशनल सिटी मजिस्ट्रेट राजेश जायसवाल की करहल एक्सप्रेससव्हे पर सड़क हादसे मे मौत हो गई, PCS अफसर लखनऊ से क्रेटा कार से आगरा जा रहे थे इसी दौरान कार बेकाबू होकर आगे चल रही बस मे जा घुसी। हादसा लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस–वे पर माइल स्टोन 77 के पास आज शुक्रवार सुबह8 बजे करीब हुआ। हादसे के बाद एक्सप्रेस–वे से गुजर रहे एक राहगीर ने यूपीडा कंट्रोल रूम लखनऊ फोन कर जानकारी दी इसके बाद यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची। ए सी एम और उनके ड्राइवर को सैफई अस्पताल ले जाया

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रशिक्षकों को नियुक्तिपत्र मिले

मैनपुरी सहानुभूति समाचार (मनोजकुमार वर्मा)
मैनपुरी 29 अगस्त
हॉकी के जादूगर पद्मभूषण, मेजर ँ यानचंद की जयंती, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण एवं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में उ.प्र. के पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि वितरण कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के उपरान्त खेल दिवस के अवसर पर पं. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित युवा खिलाड़ियों को संबोधि त करते हुए जिलाध्यक्ष ममता राजपूत ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने 14 वर्ष की आयु में हॉकी खेलना प्रारंभ किया, सेना में भर्ती होने के बाद भी उन्होंने हॉकी खेलना जारी रखा, उन्होंने अपने जीवन में देश को 03 स्वर्ण पदक दिलाए, मेजर ध्यानचंद के हॉकी खेलने कि कला से अंग्रेज भी काफी प्रभावित थे, हॉकी के ऐसे महान जादूगर से प्रेरणा लेकर युवा राष्ट्रीय खेल से जुड़े, मेजर ध्यानचंद ने पूरे जीवन अनुशासन के साथ हॉकी खेली, उसी का परिणाम है कि आज उन्हें हॉकी के जादूगर के नाम से जाना जाता है, आज हम भारत के हॉकी के जादूगर को कला से सबको राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के प्रध्

खेल जगत की 25 हस्तियां महापौर के हाथों सम्मानित खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन

अयोध्या। शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में खेल जगत की 25 हस्तियों को नगर निगम के तत्वाधान में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठ ने खिलाड़ियों एवं कोच को ट्रैकसूट व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार, उपसभापति राजेश गौड़ , पार्श्व द चंदन सिंह, रामशंकर, सौरभ सिंह, सूर्या तिवारी, अजय तिवारी, निखिल श्रीवास्तव, किशन मौर्य, सर्वजीत छोड़ू, सहायक नगर आयुक्त गुरु प्रसाद पांडे, क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, अनूप दुबे, रंगेश त्रिपाठी, सरदार सुरेंद्र सिंह, आशीष सूद, केपी सिंह, हेमंत पांडे, देवेशमणि त्रिपाठी, आयोजन समिति के राहुल सिंह, सुनील

गया, जहा डॉक्टरों ने।ब्ड राजेश को मृत घोषित कर दिया वही ड्राइवर की हालत नाजुक बताई जा रही है टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।जांच में सामने आया है कि राजेश जायसवाल पीछे की सीट पर बैठे थे हादसे के बाद आगे और पीछे की सीट के बीच दब गए थे हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया।यूपीडा के सहायक सुरक्षा अ्धिाकारी फूल सिंह ने बताया– हमें कंट्रोल रूम लखनऊ से सूचना मिली कि माइल स्टोन–78 पर हादसा हुआ है किसी राहगीर ने लखनऊ कंट्रोल रूम को जानकारी दी थी इसके बाद मैं तत्काल टीम के साथ मौके पर पहुंचा, तो हमें क्रेटा कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली।



गानमंत्री विवेद मोदी ने खेलो इंडिया का नारा दिया, युवाओं को खेल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों का आह्वान करते हुये कहा कि खेल भावना के साथ खेलें, खेल में हार–जीत मायने नहीं रखती, खेल से स्वच्छ प्रतिस्पर्धा विकसित होती है साथ ही मानसिक और शारीरिक प्रश्रम के अपने जीवन में सफल हो जाएंगे, यह क्रीडा प्रतियोगिताएं, उनके लिए की जाने वाली तैयारियां हमें अनुशासन सिखाती हैं, हमें प्रतिदिन नए बेहतर करने की प्रेरणा देती हैं, हमारे सामने एक चुनौती रखती हैं जिसको पाने के लिए हम लगातार परिश्रम करने के लिए प्रेरित होते रहते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जे.एस. मेमोरियल, सैनिक स्कूल की हॉकी टीम के जिलाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी ने परिचय प्राप्त किया। इस दौरान घनश्याम दास गुप्ता, डा. विमलेश पाठक, प्रमोद दुबे बाबा आदि उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन जिला क्रीड़ा अधिकारी साधना सिंह ने किया।

खेल जगत की 25 हस्तियां महापौर के हाथों सम्मानित खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन

अवस्थी, रोहित शर्मा, राहुल पाठक, निरंकार पाठक, लालजी शुक्ल, आदि मौजूद रहे। महापौर ने इस मौके पर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि जल्द ही नगर निगम में एक और स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा, ताकि अयोध्या नगरी के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए बाहर न जाना पड़े। उन्होंने खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने का भी वादा किया। नगर आयुक्त ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का योगदान अविस्मरणीय है, उन्हें नमन करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश

उन्होंने बताया कि कार में दो लोग घायल अवल्स्था में मिले।मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ में पता चला कि कार आगे चल रही बस में पीछे से टकराई थी। दोनो घायलों को तत्काल एंबुलेस की मदद से सैफई मेडिकल कॉलेज भेजा गया जहां डॉक्टरों ने एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, जबकि चालक का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह पुलिस अधीक्षक गणेश प्रसाद साहा उपजिलाधिकारी करहल सुनिष्ठा सिंह पुलिस क्षेत्राधिाकारी अजय कुमार सिंह थाना प्रभारी निरीक्षक महाराज सिंह भाटी आदि तमाम अधिकारी सैफई अस्पताल पहुंचे हैं जहां अधिकारियों ने घटना की जानकारी प्राप्त की।

